

अधिकारियों को छुट्टियों में उत्प्रवास संरक्षण, दिल्ली के काम करने के लिए प्राधिकृत करती है :—

- (1) श्री एम.एस. टांगड़ी, अवर सचिव
- (2) श्री रवजीत सिंह, अनुभाग अधिकारी
- (3) श्री जे.पी. सिंह, अनुभाग अधिकारी

ये अधिकारी ऐसे आपात मामलों में जहां अगले कार्य विवर की प्रतीक्षा भर्ही की जा सकती, उत्प्रवास जांच आवश्यकता को आस्थागित करने के लिए ही प्राधिकृत होंगे।

[मैड-11025/67/88-उत्प्रवास-II]

करनेश सिंह, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF LABOUR

NOTIFICATION

New Delhi, the 16th September, 1988

S.O. 868 (E).—In exercise of the power conferred by Section 5 of the Emigration Act, 1983 (31 of 1983) the Central Government hereby authorises following officers of the Ministry of Labour to perform functions of Protector of Emigrants, Delhi on holidays :—

- (1) Shri M.S. Tangry, Under Secretary,
- (2) Shri Ravjit Singh, Section Officer,
- (3) Shri J.P. Singh, Section Officer.

These officers are only authorised to grant suspension from emigration check requirement in such emergency cases which cannot wait for the next working day.

[Z-11025/67/88-Emig.II]
KARNAIL SINGH, Jt. Secy.



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

१०
११/४/८९

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 471]

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर, 20 1988/ भाद्रपद 29, 1910

No. 471] NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 20, 1988/BHADRA 29, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के काम में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्घोष मंत्रालय

(श्रीदीगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 20 सितम्बर, 1988

अधिसूचनाएँ

का. आ. 869(अ) :— केन्द्रीय दरकार, उद्घोष (विकास श्री
विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की शारा 29ख का
उपधारा (i) हासा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के
उद्घोष श्रीराम कार्य मंत्रालय, श्रीदीगिक विकास विभाग की अधिसूचना
से, कांक्षा 201(अ), तारीख 18 मार्च, 1985 का निम्नलिखित
संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में—

(i) विद्यमान शर्त में (1) श्रीराम संबंधित प्रविष्टियों के स्थान
पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(1) विनियम की बस्तु अधिसूचना तं. 629(अ), तारीख 30-6-68
की अनुसूची 3 (लघु उपक्रमों के लिए आरक्षित मर्दें) में
विनियमित बस्तु नहीं होगी

(ii) पंरा 1 की विद्यमान शर्त 3 श्रीराम संबंधित प्रविष्टियों के
स्थान पर, निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“3. श्रीदीगिक उपक्रम :

- (i) 1981 की जनगणना के अनुसार 25 लाख से अधिक जनसंख्या
वाले नगरों की परिधि (अर्थात् नगरीय क्षेत्र परिसीमाओं की
सीमा) के 50 कि. मी. के भीतर;
- (ii) 1981 की जनगणना के अनुसार 15 लाख से अधिक किन्तु
25 लाख से कम जनसंख्या वाले नगरों की परिधि के
30 कि. मी. के भीतर;
- (iii) 1981 की जनगणना के अनुसार 7.5 लाख से अधिक किन्तु
15 लाख से कम जनसंख्या वाले नगरों की परिधि के 15
कि. मी. के भीतर;
- (iv) अन्य नगरों श्रीराम कस्बों के मानक नगरीय भेद/नगर पालिका
सीमाओं के भीतर;

अवस्थित नहीं हैं या अवस्थित किए जाने के लिए प्रस्तावित नहीं हैं।”

(iii) दूसरे श्रीराम की प्रविष्टियों का सूप किया जाएगा।

[फा. सं. 10/49/88 - एल. नं.]